MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:13 APRIL 2026

जनसंपर्क में कंटेंट क्रिएशन बहुत महत्वपूर्ण: मनीष सिंह

■ एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

■ जनसंपर्क अधिकारियों के प्रशिक्षण के समापन पर बोले जनसंपर्क आयुक्त

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत अहम होता है। कंटेट की हर क्षेत्र में मांग है। चाहे समाचार हों या फीचर, आलेख हों या एडवटोरियल, हर किसी के लिए अलग तरह के कंटेट की आवश्यकता होती है। भाषा की विशिष्टता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। प्रेस विज्ञप्तियों की भाषा किसी समाचार से अलग होती है। इसलिए जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को भाषा पर भी विशेष कार्य करना चाहिए। ये बातें जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही। वे एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के सभी जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर पर कार्य करने की दिशा में आगे बढना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय प्रबंधन बेहतर ढंग से होना चाहिए।

जनसंपर्क के लिए लेखन कौशल बेहतर होना जरूरी: कुलगुरू

इस अवसर पर सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को लेखन में रूचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए। एक छोटे से विषय पर भी बेहतर ढंग से लिखे हुए समाचार को प्रकाशनों में अच्छा कवरेज मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जनसंपर्क अधिकारी किसी भी सकारात्मक आइडिया को लेकर सक्सेस स्टोरीज लिख सकते हैं। इस तरह की स्टोरीज को शेयर करने से उनके विभागों के बेहतर कार्यों को मीडिया में अच्छी जगह मिलती है।

अधिकारियों को दी पोर्टल प्रबंधन की जानकारी

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की विविध शाखाओं में एमसीयू के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन जनसंपर्क विभाग के अनिल वशिष्ठ ने किया। आज इस कार्यक्रम में विभागीय बजट, भंडार नियमों की जानकारियों पर सत्र भी आयोजित हुए। इसके अलावा पत्रकारों के लिए संचालित विविध योजनाओं की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के पोर्टल प्रबंधन पर प्रतिभागी अधिकारियों को जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों से तथा निदेशालय से जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ। इस आयोजन का समन्वय डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'12 APRIL.2026

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत आवश्यक, भाषा की विशिष्टता पर ध्यान रखना बेहद जरूरीः आयुक्त मनीष सिंह

एमसीयू में आयोजित हुआ जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत अहम होता है। कंटेट की हर क्षेत्र में मांग है। चाहे समाचार हों या फीचर, आलेख हों या एडवटोरियल, हर किसी के लिए अलग तरह के कंटेट की आवश्यकता होती है। भाषा की विशिष्टता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। प्रेस विज्ञप्तियों की भाषा किसी समाचार से अलग होती है। इसलिए जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को भाषा पर भी विशेष कार्य करना चाहिए। यह बात जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही।

राजधानी के एमसीयू में आयोजित जनसंपर्क अधिकारियो का दो दिवसीय प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन सत्र में जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के सभी जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर पर कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय प्रबंधन बेहतर ढंग से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को किस तरह बेहतर ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकता है इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते आयुक्त मनीष सिंह।

इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की विविध शाखाओं में एमसीयू के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन जनसंपर्क विभाग के अनिल वशिष्ठ ने किया। कार्यक्रम में विभागीय बजट, भंडार नियमों की जानकारियों पर सत्र भी आयोजित हुए। इसके अलावा पत्रकारों के लिए संचालित विविध योजनाओं की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के पोर्टल प्रबंधन पर प्रतिभागी अधिकारियों को जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुलगुरु तिवारी समेत जिला जनसंपर्क कार्यालयों तथा निदेशालय के जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

लेखन में रुचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिएः तिवारी

इस अवसर पर सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को लेखन में रूचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए। एक छोटे से विषय पर भी बेहतर ढंग से लिखे हुए समाचार को प्रकाशनों में अच्छा कवरेज मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जनसंपर्क अधिकारी किसी भी सकारात्मक आइडिया को लेकर सक्सेस स्टोरीज लिख सकते हैं। इस तरह की स्टोरीज को शेयर करने से उनके विभागों के बेहतर कार्यों को मीडिया में अच्छी जगह मिलती है।

जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ आयोजन

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों से तथा निदेशालय से जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण का आयोजन जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ। इस आयोजन का समन्वय डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने किया। इस आयोजन में दोनों दिन संगठन प्रबंधन, डिजिटल नवाचार, ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस, एआई, कंटेंट मैनेजमेंट, आरटीआई, प्रेस के नियम, जनसंपर्क की नीतियों और उनके क्रियान्वयन के व्यवहारिक पहलुओं सहित वित्तीय प्रबंधन आदि विषयों पर विविध सत्र आयोजित हुए।

अब लिक्विड बायोप्सी से पकड़ में आएगा कैंसर

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'12 APRIL.2026

जनसंपर्क में कंटेंट क्रिएशन की अहम भूमिका- आयुक्त मनीष सिंह

जागरण, भोपाल। एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बेहद महत्वपूर्ण है और हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग प्रकार के कंटेंट की आवश्यकता होती है। उन्होंने भाषा की सटीकता और प्रेस विज्ञप्ति की अलग शैली पर भी जोर दिया। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने लेखन कौशल को जनसंपर्क का आधार बताते हुए अधिकारियों को समाचार और सक्सेस स्टोरी लिखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ई-ऑफिस, एआई, डिजिटल नवाचार, आरटीआई और वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर सत्र आयोजित हुए। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर के जनसंपर्क अधिकारी शामिल हुए, जिससे विभागीय कार्यों को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN '12 APRIL.2026

जनसंपर्क में कंटेंट क्रिएशन बहुत महत्वपूर्ण: मनीष सिंह

■ एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियो का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

खदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत अहम होता है। कंटेट की हर क्षेत्र में मांग है। चाहे समाचार हों या फीचर, आलेख हों या एडवटोरियल, हर किसी के लिए अलग तरह के कंटेंट की आवश्यकता होती है। भाषा की विशिष्टता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। प्रेस विज्ञप्तियों की भाषा किसी समाचार से अलग होती है। इसलिए जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को भाषा पर भी विशेष कार्य करना चाहिए। ये बातें जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही। वे एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के सभी जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर पर कार्य करने की दिशा में आगे बढना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय प्रबंधन बेहतर ढंग से होना चाहिए।

■ जनसंपर्क अधिकारियों के प्रशिक्षण के समापन पर बोले जनसंपर्क आयुक्त

जनसंपर्क के लिए लेखन कौशल बेहतर होना जरूरी: कुलगुरू

इस अवसर पर सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को लेखन में रूचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए। एक छोटे से विषय पर भी बेहतर ढंग से लिखे हुए समाचार को प्रकाशनों में अच्छा कवरेज मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जनसंपर्क अधिकारी किसी भी सकारात्मक आइडिया को लेकर सक्सेस स्टोरीज लिख सकते हैं। इस तरह की स्टोरीज को शेयर करने से उनके विभागों के बेहतर कार्यों को मीडिया में अच्छी जगह मिलती है।

अधिकारियों को दी पोर्टल प्रबंधन की जानकारी

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की विविध शाखाओं में एमसीयू के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन जनसंपर्क विभाग के अनिल वशिष्ठ ने किया। आज इस कार्यक्रम में विभागीय बजट, भंडार नियमों की जानकारियों पर सत्र भी आयोजित हुए। इसके अलावा पत्रकारों के लिए संचालित विविध योजनाओं की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के पोर्टल प्रबंधन पर प्रतिभागी अधिकारियों को जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों से तथा निदेशालय से जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ। इस आयोजन का समन्वय डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'12 APRIL.2026

विज्ञापन और जनसंपर्क में अनेक संभावनाएं

भोपाल। विज्ञापन एवं जनसंपर्क का क्षेत्र बहुत क्रिएटिव है। इसमें बहुत सी संभावनाएं हैं। विज्ञापन की कला हमें बताती है कि बहुत सी बातों को संक्षेप में कैसे कहा जाए। विज्ञापन के जरिए बड़ी बात एक वाक्य में कही जा सकती है। यह बात पब्लिक सर्विस से जुड़े विषयों और मुद्दों पर एमसीयू के विद्यार्थियों द्वारा बनाए विज्ञापनों की प्रदर्शनी में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कही। विषय विशेषज्ञ सीईओ संजय धस्माना भी मौजूद रहे। | पीपुल्स समाचार |

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'13 APRIL.2026

प्रशिक्षण

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि के प्रशिक्षण में जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह और कुलगुरु ने दिए सुझाव

जनसंपर्क में कंटेंट सृजन की भूमिका अहम, नवाचार के साथ कार्य करना जरूरी

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः जनसंपर्क के क्षेत्र में सामग्री निर्माण की भूमिका अहम होती जा रही है। बदलते समय के साथ हर माध्यम के लिए अलग प्रकार की सामग्री की आवश्यकता होती है, इसलिए भाषा और प्रस्तुति दोनों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। यह बात जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही। वे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में शनिवार को आयोजित जनसंपर्क अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मनीष सिंह
जनसंपर्क आयुक्त

आयुक्त सिंह ने कहा कि समाचार, फीचर, आलेख और संपादकीय सभी के लिए अलग शैली की सामग्री तैयार करनी होती है। ऐसे में अधिकारियों को भाषा की शुद्धता और प्रभावशीलता पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रेस विज्ञप्ति की भाषा सामान्य समाचार से भिन्न होती है, इसलिए इसमें संतुलन और स्पष्टता जरूरी है। उन्होंने सभी जिला कार्यालयों में ई-आफिस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने और वित्तीय प्रबंधन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं को जनता तक पहुंचाना जनसंपर्क का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए नवाचार और नई सोच के साथ कार्य करना आवश्यक है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण सत्र में शामिल विद्यार्थी, शिक्षक व अतिथि। • सौः आयोजक

जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कौशल सबसे महत्वपूर्ण

विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कौशल सबसे महत्वपूर्ण आधार है। अधिकारियों को लेखन में रुचि विकसित करनी चाहिए और छोटे विषयों को भी प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला स्तर पर सकारात्मक पहल और उपलब्धियों को सफलता की कहानियों के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे विभागीय कार्यों को व्यापक पहचान मिलती है।

विभिन्न शाखाओं में विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण पर चर्चा

कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग की विभिन्न शाखाओं में विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण अवसरों पर भी चर्चा हुई। सत्र का संचालन अनिल वशिष्ठ ने किया। प्रशिक्षण के दौरान बजट, भंडार नियम, सूचना का अधिकार, प्रेस संबंधी नियम, जनसंपर्क नीतियां और उनके व्यवहारिक पहलुओं पर जानकारी दी गई। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण में संगठन प्रबंधन, डिजिटल नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ), सामग्री प्रबंधन, ई-कार्यालय और ई-मानव संसाधन प्रणाली जैसे विषयों पर भी सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में प्रदेशभर के जनसंपर्क अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन का समन्वय डा. शलभ श्रीवास्तव ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'13 APRIL.2026

'विज्ञापन और जनसंपर्क में असीमित संभावनाएं'

एमसीयू में पब्लिक सर्विस विज्ञापन प्रदर्शनी व कार्यशाला का आयोजन

- विशेषज्ञों ने भाषा और सृजनात्मकता पर दिया जोर

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में पब्लिक सर्विस विज्ञापन पर आधारित प्रदर्शनी और कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विज्ञापन और जनसंपर्क जैसे सृजनात्मक क्षेत्रों में असीमित संभावनाएं हैं।

उन्होंने बताया कि विज्ञापन की कला कम शब्दों में बड़ी बात कहने की क्षमता विकसित करती है। विवि लगातार सृजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मंच प्रदान कर रहा है, जिससे वे लेखन, सिनेमा, डिजाइनिंग और विज्ञापन निर्माण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

विद्यार्थियों के बनाए विज्ञापन का आकलन करते कुलगुरु व अतिथि। • सौ. विवि

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में संवाद विज्ञापन एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय धस्माना ने कहा कि प्रभावी विज्ञापन के लिए संदेश की स्पष्टता और लक्षित दर्शक की समझ बेहद जरूरी है। उन्होंने सरल और सटीक भाषा के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि कम शब्दों में अधिक प्रभाव पैदा करना ही श्रेष्ठ सृजन है।विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार सामाजिक विषयों पर आधारित प्रिंट विज्ञापनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'13 APRIL.2026

रचनात्मक कंटेंट से ही....

मजबूत होता है जनसंपर्क तंत्रः मनीष

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी में जनसंपर्क अधिकारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को हुआ।

समापन सत्र में आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह ने कहा कि प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए रचनात्मक कंटेंट क्रिएशन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि समाचार, फीचर, आलेख और एडवर्टोरियल जैसे विभिन्न प्रारूपों में उपयुक्त और प्रभावशाली कंटेंट की मांग लगातार बढ़ रही है। साथ ही भाषा की विशिष्टता और प्रेस विज्ञप्तियों की शैली पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के उपयोग को बढ़ावा देने और वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। शासन की योजनाओं को आमजन तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए नवाचार और योजनाबद्ध प्रयास जरूरी हैं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कौशल का विशेष महत्व है। उन्होंने अधिकारियों को सकारात्मक पहलुओं पर आधारित सक्सेस स्टोरी तैयार करने के लिए प्रेरित किया, जिससे विभागीय कार्यों को बेहतर पहचान मिल सके।

पूर्व संचालक लाजपत आहूजा ने अपने अनुभव साझा करते हुए शासकीय विज्ञापन नीति और जनसंपर्क के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। साथ ही विभागीय बजट, भंडार नियम, पोर्टल प्रबंधन और पत्रकारों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान संगठन प्रबंधन, डिजिटल नवाचार, ई-ऑफिस, एआई, आरटीआई और वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत सत्र लिए।

एमसीयू में विज्ञापन की रचनात्मकता का प्रदर्शन

पब्लिक सर्विस एडवर्टाइजिंग प्रदर्शनी में उभरी युवाओं की सृजनशील सोच

जागरण, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा पब्लिक सर्विस एडवर्टाइजिंग पर प्रदर्शनी और कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विज्ञापन और जनसंपर्क जैसे सृजनात्मक क्षेत्रों में असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने इसे संक्षेप में प्रभावी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और संवाद विज्ञापन एजेंसी के सीईओ संजय धस्माना ने कहा कि प्रभावी विज्ञापन के लिए सटीक भाषा और सीमित शब्दों में मजबूत संदेश जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छा साहित्य पढ़ने की सलाह दी। विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को क्रिएटिव क्षेत्र की संभावनाओं से परिचित कराना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक विषयों पर बनाए गए विज्ञापनों की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN'13 APRIL.2026

विज्ञापन और जनसंपर्क में अनेक संभावनाएं

भोपाल। विज्ञापन एवं जनसंपर्क का क्षेत्र बहुत क्रिएटिव है। इसमें बहुत सी संभावनाएं हैं। विज्ञापन की कला हमें बताती है कि बहुत सी बातों को संक्षेप में कैसे कहा जाए। विज्ञापन के जरिए बड़ी बात एक वाक्य में कही जा सकती है। यह बात पब्लिक सर्विस से जुड़े विषयों और मुद्दों पर एमसीयू के विद्यार्थियों द्वारा बनाए विज्ञापनों की प्रदर्शनी में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कही। विषय विशेषज्ञ सीईओ संजय धस्माना भी मौजूद रहे। | पीपुल्स समाचार |

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'13 APRIL.2026

जनसंपर्क अधिकारियों के प्रशिक्षण के समापन पर आयुक्त मनीष सिंह बोले

'जनसंपर्क में कंटेंट क्रिएशन बहुत महत्वपूर्ण'

- एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत अहम होता है। कंटेट की हर क्षेत्र में मांग है। चाहे समाचार हों या फीचर, आलेख हों या एडवटोरियल, हर किसी के लिए अलग तरह के कंटेट की आवश्यकता होती है। भाषा की विशिष्टता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। प्रेस विज्ञप्तियों की भाषा किसी समाचार से अलग होती है। इसलिए जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को भाषा पर भी विशेष कार्य करना चाहिए।

ये बातें जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही। वे एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियो का दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के सभी जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर पर कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय प्रबंधन बेहतर ढंग से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को किस तरह बेहतर ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकता है इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की विविध शाखाओं में एमसीयू के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन जनसंपर्क विभाग के अनिल वशिष्ठ ने किया। आज इस कार्यक्रम में विभागीय बजट, भंडार नियमों की जानकारियों पर सत्र भी आयोजित हुए। इसके अलावा पत्रकारों के लिए संचालित विविध योजनाओं की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के पोर्टल प्रबंधन पर प्रतिभागी अधिकारियों को जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों से तथा निदेशालय से जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ। इस आयोजन का समन्वय डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने किया। इस आयोजन में दोनो दिन संगठन प्रबंधन, डिजिटल नवाचार, ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस, एआई, कंटेंट मैंनेजमेंट, आरटीआई, प्रेस के नियम, जनसंपर्क की नीतियों और उनके क्रियान्वयन के व्यवहारिक पहलुओं सहित वित्तीय प्रबंधन आदि विषयों पर विविध सत्र आयोजित हुए।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियो को दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र को संबोधित करते आयुक्त मनीष सिंह।

जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण : तिवारी

इस अवसर पर सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को लेखन में रूचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए। एक छोटे से विषय पर भी बेहतर ढंग से लिखे हुए समाचार को प्रकाशनों में अच्छा कवरेज मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जनसंपर्क अधिकारी किसी भी सकारात्मक आइडिया को लेकर सक्सेस स्टोरीज लिख सकते हैं। इस तरह की स्टोरीज को शेयर करने से उनके विभागों के बेहतर कार्यों को मीडिया में अच्छी जगह मिलती है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'13 APRIL.2026

एमसीयू में विज्ञापन विषय पर प्रदर्शनी

विज्ञापन और जनसंपर्क के क्षेत्र में अपार संभावनाएं: तिवारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विज्ञापन और जनसंपर्क का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और इसमें युवाओं के लिए कई अवसर मौजूद हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में पब्लिक सर्विस एडवर्टाइजिंग विषय पर प्रदर्शनी और कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विज्ञापन एक ऐसी कला है, जिसमें कम शब्दों में बड़ी बात कही जा सकती है। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र विद्यार्थियों को सृजनात्मकता सिखाता है और उन्हें नए विचारों के साथ काम करने का अवसर देता है। कुलगुरु ने कहा कि विश्वविद्यालय अब पत्रकारिता के क्षेत्र में एक

महत्वपूर्ण पहचान बना रहा है, जहां छात्र लेखन, डिजाइनिंग, सिनेमा और विज्ञापन जैसे क्षेत्रों में अच्छा काम कर रहे हैं।

विज्ञापन एजेंसी के सीईओ संजय धस्माना ने कहा कि सृजनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे कंटेंट को सरल और स्पष्ट रखें और अच्छे विजुअल का उपयोग करें। सही शब्दों के चयन से ही संदेश लोगों तक प्रभावी तरीके से पहुंचता है। इसके लिए विद्यार्थियों को अच्छा साहित्य पढ़ने की सलाह दी गई।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'13 APRIL.2026